# Rajasthan Public Service Commission - 2016

Ques: 150
Time: 3 Hours

## Paper : Hindi-Litreture-II

---

**हिन्दी के प्रारंभिक काल को 'आदिकाल' नाम देने वाले हैं -**

1) राहुल सांकृत्यायन
2) रामकुमार वर्मा
3) महावीर प्रसाद द्विवेदी
4) हजारी प्रसाद द्विवेदी

---

**गोरखनाथ की साधनापद्धति का नाम है -**

1) वज्रयानी साधना
2) हठयोग साधना
3) काल-भैरव साधना
4) सम्यक् साधना

---

**हेमचन्द्र का 'सिद्ध हेमशब्दानुशासन' है -**

1) दार्शनिक ग्रन्थ
2) लोकोपदेशपरक ग्रन्थ
3) व्याकरण ग्रन्थ
4) सौन्दर्यपरक ग्रन्थ

---

**'पाहुड़ दोहा' ग्रन्थ के रचनाकार कौन थे ?**

1) जोइन्दु
2) राम सिंह
3) जिनदत्त सूरि
4) धनपाल

---

**"मैं हिंदुस्तान की तूती हूँ |_ _ _ _" यह कथन किस लेखक का है ?**

1) लल्लूलाल
2) इंशाअल्ला खां
3) अमीर खुसरो
4) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

---

**'देसिल बअना सब जन मिट्ठा' - देशी भाषा के मिठास का यह वर्णन करने वाले रचनाकार का नाम है -**

1) शालिभद्र सूरि
2) हजारीप्रसाद द्विवेदी
3) चन्द्रबरदायी
4) विद्यापति

---

**'शार्ङ्गधरपद्धति' किस विधा की रचना है ?**

1) महाकाव्य
2) सुभाषित संग्रह

3) खण्ड - काव्य
4) एकार्थकाव्य

---

**'मैथिल - कोकिल' नाम से जाने जाते हैं -**
1) रहीम
2) सुन्दरदास
3) जयदेव
4) विद्यापति

---

**'बीसलदेव रासो' की नायिका का नाम है -**
1) पद्मावती
2) मानमती
3) राजमती
4) दानमती

---

**'रणमल्ल छन्द' काव्य के रचनाकार हैं -**
1) विद्याधर
2) जयानक
3) जगनिक
4) श्रीधर

---

**कबीरदास के काव्य में विद्यमान भावात्मक रहस्यवाद की झलक का कारण है -**
1) वेदान्त का प्रभाव
2) सूफी सत्संग का प्रभाव
3) अन्योक्ति का प्रभाव
4) ज्ञानमार्गी चिंतन का प्रभाव

---

**निर्गुणपन्थियों में सबसे अधिक शिक्षित और शास्त्रज्ञ थे -**
1) दादूदयाल
2) धर्मदास
3) सुन्दरदास
4) कबीरदास

---

**'अगुनहिं सगुनहिं नहिं कछु भेदा' उक्ति है -**
1) तुलसीदास की
2) मलिक मुहम्मद जायसी की
3) मंझन की
4) कबीरदास की

---

**साहित्य को 'सुरसरि सम' सबका हितकारी घोषित किया है -**
1) केशवदास ने
2) रामानन्दाचार्य ने
3) सूरदास ने

4) गोस्वामी तुलसीदास ने

---

**'बरवै रामायण' के नामकरण का आधार है -**

1) बरवै छन्द

2) रहीम का सुझाव

3) अज्ञात छन्द

4) तुलसी का बिरवा

---

**तुलसीदास को 'लोकनायक' कहने वाले हैं -**

1) रामविलास शर्मा

2) रामचन्द्र शुक्ल

3) हजारीप्रसाद द्विवेदी

4) जॉर्ज ग्रियर्सन

---

**'रामलला नहछू' रचना की शैली है -**

1) अवधी लोकगीतों की

2) छप्पय छन्द विशिष्ट

3) सवैया प्रधान

4) सतसई-वत्

---

**' सूरसागर ' का सबसे मर्मस्पर्शी और वाग्वैदग्ध्यपूर्ण अंश है -**

1) संयोग शृंगार वर्णन

2) बालवर्णन

3) प्रकृति वर्णन

4) भ्रमर गीत

---

**'और सब गढ़िया नंददास जड़िया' उक्ति में नन्ददास की किस विशेषता की ओर संकेत है ?**

1) नन्ददास का चिन्तक रूप

2) नन्ददास की तार्किकता

3) नन्ददास का शब्द प्रयोग

4) नन्ददास का व्यवहार

---

**मीराँबाई की उपासना-पद्धति थी -**

1) सखा भाव की

2) पुष्टिमार्गीय

3) माधुर्य भाव की

4) श्रुति सम्मत हरिभक्तिपथ की

---

**'भूषण बिनु न विराजई, कविता वनिता मित्त ' उक्ति में कवि केशव ने अपनी कैसी अभिरुची प्रकट की है ?**

1) अलंकारप्रियता

2) रसिकता

3) प्रभुताप्रियता

4) भक्ति की आकुलता

**ऋतुवर्णन करने वाले कवियों में सर्वश्रेष्ठ कहे गए हैं -**

1) सेनापति

2) गंग कवि

3) केशवदास

4) बनारसीदास

---

**आचार्य रामचन्द्र शुक्ल रीतिकाल का प्रथम आचार्य किसे मानते हैं ?**

1) केशवदास को

2) भूषण को

3) महाराज जसवंत सिंह को

4) चिंतामणि को

---

**महाराज जसवंत सिंह के द्वारा रचित लक्षण ग्रन्थ का नाम है -**

1) भाषाभूषण

2) अलंकार - रत्नाकर

3) भूषण चन्द्रिका

4) आनन्द विलास

---

**'अली कली ही सों बँध्यो, आगे कौन हवाल' उक्ति में कवि बिहारी का कौनसा रूप प्रकट हुआ है ?**

1) दार्शनिक रूप

2) प्रवचनकर्ता रूप

3) उद्बोधक रूप

4) नीतिकार रूप

---

**जयपुर नरेश जगत सिंह के आश्रय में रहते हुए पद्माकर ने कौनसा लक्षण- ग्रन्थ लिखा था ?**

1) जगद्विनोद

2) रामरसायन

3) हिम्मतबहादुर विरुदावली

4) प्रबोध पचासा

---

**रामचन्द्र शुक्ल ने पद्माकर की भावमूर्ति विधायिनी कल्पना की प्रशंसा क्यों की है ?**

1) भाषा की ललित पदावली के कारण

2) लाक्षणिक शब्दों की छटा के कारण

3) सुंदर कोमल भाव तरंग के कारण

4) इन तीनों गुणों से युक्त शैली के कारण

---

**किशनगढ़ के भक्त कवि महाराज सावन्त सिंह साहित्य के क्षेत्र में किस नाम से जाने जाते हैं ?**

1) भक्त शिरोमणि

2) दासानुदास

3) नागरीदास

4) राठौड़ वंशावतंस

**भारतेन्दु के हिन्दी - योगदान का स्वरूप है -**

1) स्वयं रचनाएँ लिख कर

2) समाचारपत्र निकाल कर

3) भारतेन्दु मण्डल का गठन करके

4) इनमें सभी साधनों के माध्यम से

---

**हिन्दी को 'आर्यभाषा' कह कर प्रयोग और प्रचार का विषय बनाने वाले थे -**

1) प्रतापनारायण मिश्र

2) बालकृष्ण भट्ट

3) महर्षि दयानन्द सरस्वती

4) गिरधरदास

---

**हिन्दी भाषा के परिमार्जित रूप को निर्धारित करने वाली पत्रिका का नाम है -**

1) सरस्वती मासिक

2) हिन्दी प्रदीप

3) धर्म दिवाकर

4) काशीपत्रिका

---

**'गोदान' उपन्यास को गद्य में प्रस्तुत महाकाव्य कहा जाता है, क्योंकि उसमें -**

1) भारतीय जनजीवन का यथार्थ चित्रण है |

2) सामान्य आदमी की अच्छाइयों का विवेचन है |

3) सामाजिक संस्कारों का सूक्ष्म अभिनिवेश है |

4) इनमें से सभी |

---

**यशपाल के 'झूठा सच' उपन्यास की लोकप्रियता का क्या कारण है ?**

1) उसमें झूठ को सच के रूप में दिखाया गया है |

2) उसमें भारत विभाजन की वेदना की यथार्थ प्रस्तुति है |

3) उसमें मनुष्यता को हारते हुए दिखाया गया है |

4) उसमें रचनाकार कुछ भी अपनी ओर से नहीं कहता |

---

**'पुरस्कार' कहानी किसकी रचना है ?**

1) जयशंकर प्रसाद की

2) सुदर्शन की

3) विश्वम्भरनाथ उपाध्याय की

4) प्रेमचन्द की

---

**प्रखर साम्यवादी आलोचक हैं -**

1) डॉ. सरनाम सिंह शर्मा 'अरुण'

2) डॉ. देवराज उपाध्याय

3) डॉ. रामकुमार वर्मा

4) डॉ. रामविलास शर्मा

**'शिवशम्भु का चिट्ठा' नामक व्यंग्यात्मक निबंध के लेखक हैं -**

1) बदरीनारायण चौधरी ' प्रेमघन '
2) बालकृष्ण भट्ट
3) बालमुकुन्द गुप्त
4) प्रतापनारायण मिश्र

---

**हरिऔध कृत उस महाकाव्य का नाम लिखिए जिसमें संस्कृत छन्दों का प्रयोग हुआ है -**

1) चौखे चौपदे
2) प्रियप्रवास
3) वैदेही वनवास
4) उद्धवशतक

---

"हिमाद्रि तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती, स्वयंप्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती |" यह प्रयाण गीत कहाँ से लिया गया है ?

1) ध्रुवस्वामिनी से
2) स्कन्दगुप्त से
3) चन्द्रगुप्त से
4) विशाख से

---

**'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' कृति के रचनाकार हैं -**

1) हरिवंशराय बच्चन
2) अम्बिका दत्त
3) महात्मा गाँधी
4) स्वामी दयानंद

---

**'भारतभारती' की रचना का उद्देश्य है -**

1) अतीत से प्रेरणा ग्रहण करना
2) वर्तमान को सार्थक करना
3) भविष्य का निर्माण करना
4) इनमें से सभी

---

निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों से सुमेलित कीजिये -

| सूची-I | सूची-II |
|---|---|
| (a) भक्तमाल | (i) गोकुलनाथ |
| (b) भक्तनामावली | (ii) नाभादास |
| (c) गोसाईंचरित | (iii) ध्रुवदास |
| (d) दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता | (iv) नरहरिदास |
| | (v) वेणीमाधवदास |

1) a-i, b-iii, c-iv, d-v
2) a-ii, b-iv, c-v, d-i

3) a-iii, b-ii, c-i, d-v
4) a-ii, b-iii, c-v, d-i

---

सूची-I में अंकित नामों को सूची-II में अंकित साहित्येतिहासकारों के साथ सुमेलित कीजिए -

| सूची-I | सूची-II |
|---|---|
| (a) सिद्ध सामन्त काल | (i) हजारीप्रसाद द्विवेदी |
| (b) चारणकाल | (ii) मिश्रबंधु |
| (c) प्रारम्भिक काल | (iii) जॉर्ज ग्रियर्सन |
| (d) आदिकाल | (iv) राहुल सांकृत्यायन |
| | (v) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |

1) a-iv, b-v, c-ii, d-i
2) a-v, b-ii, c-iii, d-iv
3) a-iv, b-iii, c-ii, d-i
4) a-iii, b-iv, c-v, d-i

---

**स्थापना (A) - जनता की चित्तवृत्ति के परिवर्तन के साथ साहित्य के स्वरूप में परिवर्तन नहीं होता है | तर्क (R) - क्योंकि प्रत्येक देश का साहित्य वहाँ की जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिंब होता है |**

1) A गलत, R सही
2) A और R दोनों सही
3) A और R दोनों गलत
4) A सही, R गलत

---

**'इस्त्वार द ला लितेरात्यूर ऐंदुई ए ऐंदुस्तानी' नामक ग्रन्थ किस भाषा में लिखा गया था ?**

1) जर्मन
2) अंग्रेजी
3) हिन्दी
4) फ्रेंच

---

**" पहले जैसे 'गाथा' या 'गाहा' कहने से प्राकृत का बोध होता था वैसे ही पीछे _____कहने से अपभ्रंश या लोक प्रचलित काव्यभाषा का बोध होने लगा |" आचार्य शुक्ल के इस कथन के रिक्त स्थान में होगा -**

1) चौपाई या चौपई
2) रासो या रासक
3) दोहा या दूहा
4) छप्पय

---

**निम्नलिखित में से किस विद्वान ने सरहपाद को हिन्दी का प्रथम कवि माना है ?**

1) आचार्य शुक्ल ने
2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने
3) डॉ. रामकुमार वर्मा ने
4) पं. राहुल सांकृत्यायन ने

---

**आचार्य शुक्ल ने 'रासो' शब्द का सम्बन्ध किस शब्द से माना है ?**
1) रास से
2) रसायण से
3) रहस्य से
4) रासक से

---

**'पृथ्वीराज विजय' नामक ग्रन्थ के आधार पर 'पृथ्वीराज रासो' को अप्रामाणिक रचना मानने वाले विद्वान हैं -**
1) डॉ. बूलर
2) कविराजा श्यामलदास
3) मुंशी देवीप्रसाद
4) गौरीशंकर हीराचंद ओझा

---

**गद्य-पद्य मिश्रित चम्पू काव्य की प्राचीनतम हिन्दी कृति कौन-सी है ?**
1) वर्ण रत्नाकर
2) उक्ति व्यक्ति प्रकरण
3) राउलवेल
4) परमात्मप्रकाश

---

निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिये -

| सूची-I | सूची-II |
|---|---|
| (a) बीसलदेव रासो | (i) सरहपाद |
| (b) खालिकबारी | (ii) नरपति नाल्ह |
| (c) भरतेश्वर बाहुबली रास | (iii) शालिभद्र सूरि |
| (d) दोहा कोश | (iv) अमीर खुसरो |
| | (v) विद्यापति |

1) a-v, b-iii, c-ii, d-i
2) a-ii, b-iv, c-iii, d-i
3) a-iv, b-ii, c-iii, d-v
4) a-i, b-iii, c-ii, d-iv

---

**'पृथ्वीराजरासो' हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है, ऐसा मानने वाले विद्वान हैं -**
1) कविराजा श्यामलदास
2) आचार्य शुक्ल
3) गौरीशंकर हीराचंद ओझा
4) मुंशी देवीप्रसाद

---

**इनमें से कौन-सा ग्रन्थ आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा नहीं लिखा गया है ?**
1) हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास

2) हिन्दी साहित्य की भूमिका
3) हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास
4) हिन्दी साहित्य का आदिकाल

---

**'द मॉडर्न वर्नेक्युलर लिटरेचर ऑफ़ नादर्न हिंदुस्तान' का अनुवाद - हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास - करने वाले लेखक हैं -**
1) गणपति चन्द्र गुप्त
2) रामकुमार वर्मा
3) लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4) किशोरीलाल गुप्त

---

**स्वतंत्र पुस्तक के रूप में प्रकाशित होने से पूर्व आचार्य शुक्ल का 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' किस रूप में प्रकाशित हुआ था ?**
1) भ्रमरगीत की भूमिका में
2) 'हिन्दी शब्द सागर' की भूमिका में
3) पद्मावत की भूमिका में
4) सरस्वती पत्रिका में

---

**सोलहवीं - सत्रहवीं शती के युग को (भक्तिकाल को) हिन्दी काव्य का स्वर्ण-युग मानने वाले प्रथम विद्वान हैं -**
1) आचार्य शुक्ल
2) मिश्रबंधु
3) जॉर्ज ग्रियर्सन
4) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

---

**"हिन्दी रीतिग्रंथों की परम्परा चिंतामणि त्रिपाठी से चली, अत: रीतिकाल का आरंभ उन्हीं से मानना चाहिए |" इस कथन के लेखक हैं -**
1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3) जॉर्ज ग्रियर्सन
4) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

---

**स्थापना(A) - हिन्दी काव्य-क्षेत्र में कवि और आचार्य एकीकरण का प्रभाव अच्छा नहीं रहा | तर्क(R) - क्योंकि आचार्यत्व के लिए जिस सूक्ष्म पर्यालोचन शक्ति की अपेक्षा होती है, उसका विकास नहीं हो पाया |**
1) A और R दोनों सही
2) A और R दोनों गलत
3) A गलत, R सही
4) A सही, R गलत

---

**आचार्य शुक्ल ने आधुनिक काल की सबसे प्रधान साहित्यिक घटना किसे माना है ?**
1) कहानी का विकास
2) काव्य-विषय में परिवर्तन
3) अनेक साहित्यिक विधाओं का विकास
4) गद्य का आविर्भाव

**आदिकाल में खड़ीबोली को काव्य की भाषा बनाने वाले पहले कवि कौन हैं ?**

1) ज्योतिरीश्वर ठाकुर
2) अमीर खुसरो
3) विद्यापति
4) गोरखनाथ

---

**"आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकल बहुत सस्ते हो गए हैं | उन्हें चढ़ाकर जैसे कुछ लोगों ने 'गीतगोविन्द' के पदों को आध्यात्मिक संकेत बताया है, वैसे ही विद्यापति के इन पदों को भी |" शुक्ल जी के उक्त कथन का आशय है -**

1) विद्यापति के पदों को आध्यात्मिक चश्मे से देखना चाहिए |
2) विद्यापति के पदों और गीतगोविन्द में भाव-साम्य नहीं है |
3) विद्यापति के पद अधिकतर श्रृंगार के ही हैं |
4) विद्यापति के पदों की रचना भक्ति की दृष्टि से की गयी है |

---

**'कबीर परिचई' के रचनाकार कौन हैं ?**

1) नाभादास
2) अनन्तदास
3) धर्मदास
4) सुन्दरदास

---

**कबीर के परलोकवास होने पर उनकी गद्दी किन्हें मिली ?**

1) रविदास को
2) धर्मदास को
3) गरीबदास को
4) मलूकदास को

---

**संत रज्जब द्वारा दादूदयाल की समग्र रचनाओं का संकलन किस नाम से किया गया ?**

1) सब्बंगी
2) ज्ञान समुद्र
3) ज्ञान बोध
4) अंगवधू

---

**निम्नलिखित में से किस संत का साधना - क्षेत्र कभी भी राजस्थान नहीं रहा ?**

1) जंभनाथ
2) सुन्दरदास
3) मलूकदास
4) पीपा

---

**दार्शनिक विचारधारा की दृष्टि से 'भेदाभेदवादी' विचारधारा से सम्बंधित संत का नाम है -**

1) गुरुनानक
2) मलूकदास
3) कबीर
4)

दादूदयाल

---

**निम्नलिखित में से कौन-सा संत रामानंद का शिष्य नहीं है ?**

1) कबीर
2) धर्मदास
3) सेन
4) पीपा

---

निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प चुनिए -

| सूची-I | सूची-II |
|---|---|
| (a) मृगावती | (i) ईश्वरदास |
| (b) सत्यवती कथा | (ii) मुल्ला दाऊद |
| (c) चन्दायन | (iii) असाइत |
| (d) हंसावली | (iv) गणपति |
| | (v) कुतबन |

1) a-v, b-ii, c-iii, d-iv
2) a-iv, b-i, c-v, d-ii
3) a-v, b-i, c-ii, d-iii
4) a-ii, b-i, c-iv, d-v

---

निम्नलिखित दार्शनिक मतों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिये -

| सूची-I | सूची-II |
|---|---|
| (a) विशिष्टाद्वैतवाद | (i) मध्वाचार्य |
| (b) शुद्धाद्वैतवाद | (ii) शंकराचार्य |
| (c) अद्वैतवाद | (iii) निम्बार्काचार्य |
| (d) द्वैताद्वैतवाद | (iv) रामानुजाचार्य |
| | (v) वल्लभाचार्य |

1) a-v, b-iv, c-i, d-ii
2) a-iii, b-iv, c-ii, d-i
3) a-iv, b-v, c-ii, d-iii
4) a-ii, b-v, c-i, d-iii

---

**नीचे दी गई रचनाओं के आधार पर उत्तर दीजिए - (a) दोहावली (b) हनुमन्नाटक (c) रामध्यानमंजरी (d) वैराग्यसंदीपनी किस विकल्प में सभी रचनाएँ तुलसीकृत नहीं हैं ?**

1) a और b
2) b और c
3) c और d
4) b और d

---

**भक्तिकाल में किस कवि का ब्रज और अवधी दोनों भाषाओं पर समान अधिकार था ?**

1)

सूर
2) जायसी
3) नंददास
4) तुलसी

---

**तुलसीकृत कौन-सी रचना ब्रजभाषा में है ?**
1) गीतावली
2) पार्वती मंगल
3) रामलला नहछू
4) बरवै रामायण

---

**"कर्म जोग पुनि ज्ञान उपासन सब ही भ्रम भरमायो |" इस काव्य-पंक्ति के रचनाकार हैं -**
1) कबीर
2) तुलसीदास
3) सूरदास
4) परमानंददास

---

**'दादूपंथ' का प्रधान पीठ (दादू द्वारा) कहाँ पर स्थित है ?**
1) अहमदाबाद में
2) नरैना में
3) आमेर में
4) सांगानेर में

---

**'अष्टछाप' की प्रतिष्ठा करने वाले आचार्य हैं -**
1) वल्लभाचार्य
2) रामानुजाचार्य
3) निम्बार्काचार्य
4) गुसाईं विट्ठलनाथ

---

**राधावल्लभ संप्रदाय का प्रवर्तन किसने किया ?**
1) हितहरिवंश ने
2) मध्वाचार्य ने
3) गोपीनाथ ने
4) गोपाल भट्ट ने

---

**निम्नलिखित में से कौन-सी रचना मीरा द्वारा नहीं रची गई है ?**
1) गीतगोविन्द की टीका
2) राग सोरठ के पद
3) प्रेमवाटिका
4) नरसी जी का मायरा

---

**"इनकी उक्तियाँ ऐसी लुभावनी हुईं कि बिहारी आदि परवर्ती कवि भी उनमें से बहुतों का अपहरण करने का लोभ न**

**रोक सके |" आचार्य शुक्ल की यह उक्ति किस कवि के विषय में है ?**

1) तुलसी
2) रहीम
3) कबीर
4) वृन्द

---

**'गोद लिए हुलसी फिरैं, तुसली सो सुत होय |' इस काव्य पंक्ति के रचनाकार हैं -**

1) तुलसी
2) नंददास
3) वृन्द
4) रहीम

---

**निम्नलिखित में से किस ग्रन्थ की रचना नन्ददास ने नहीं की है ?**

1) गीतगोविन्द की टीका
2) रासपंचाध्यायी
3) अनेकार्थ मंजरी
4) श्यामसगाई

---

**निम्नलिखित में से कौन-सा संत अकबर के बुलावे पर फतेहपुर सीकरी गया था ?**

1) सूरदास
2) कुम्भनदास
3) नन्ददास
4) तुलसीदास

---

निम्नलिखित लक्षणग्रंथों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिये -

| सूची-I | सूची-II |
|---|---|
| (a) कविकुलकल्पतरु | (i) मतिराम |
| (b) ललितललाम | (ii) भिखारीदास |
| (c) भावविलास | (iii) महाराज जसवंत सिंह |
| (d) काव्यनिर्णय | (iv) चिंतामणि |
| | (v) देव |

1) a-iv, b-i, c-v, d-ii
2) a-iv, b-iii, c-v, d-i
3) a-v, b-ii, c-i, d-iv
4) a-iii, b-iv, c-ii, d-i

---

निम्नलिखित काव्यग्रंथों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिये -

| सूची-I | सूची-II |
|---|---|
| (a) गंगालहरी | (i) भूषण |
| (b) इश्कनामा | (ii) पद्माकर |
| (c) विरहलीला | (iii) बोधा |
| (d) शिवाबावनी | (iv) घनानंद |
| | (v) सूदन |

1) a-ii, b-i, c-iii, d-iv
2) a-v, b-iv, c-iii, d-i
3) a-ii, b-iii, c-iv, d-i
4) a-i, b-iv, c-v, d-ii

---

**इनमें से किस विकल्प के सभी ग्रंथ लक्षण ग्रंथ हैं ?**

1) कवित्त रत्नाकर, काव्यरसायन, रतनहजारा, ललितललाम
2) भाषाभूषण, ललितललाम, कविकुलकल्पतरु, काव्यरसायन
3) ललितललाम, कविकुलकल्पतरु, ठाकुर ठसक, रतनहजारा
4) विरहवारीश, भाषाभूषण, काव्यरसायन, कवित्त रत्नाकर

---

**नीचे दी गई रचनाओं के आधार पर उत्तर दीजिए - (a) अष्टयाम (b) अलंकारमाला (c) रागरत्नाकर (d) अंग दर्पण किस विकल्प की सभी रचनाएँ देव की नहीं हैं ?**

1) a और b
2) b और c
3) c और d
4) b और d

---

**"किसी कवि का यश उसकी रचनाओं के परिमाण के हिसाब से नहीं होता बल्कि गुण के हिसाब से होता है |" शुक्ल जी का यह कथन किस रीतिकालीन कवि के सम्बन्ध में है ?**

1) सेनापति
2) पद्माकर
3) बिहारी
4) भूषण

---

**जन्मकाल के अनुसार इन कवियों का सही कालानुक्रम है -**

1) देव, केशव, चिंतामणि, पद्माकर
2) केशव, चिंतामणि, देव, पद्माकर
3) चिंतामणि, केशव, पद्माकर, देव
4) केशव, पद्माकर, चिंतामणि, देव

---

स्थापना(A) - इस काल को रीतिकाल कहने में किसी प्रकार का अव्याप्ति दोष न होगा |
तर्क(R) - क्योंकि प्रत्येक कवि द्वारा इसमें शृंगार को न्यूनाधिक रूप से ग्रहण किया जाना भी तो एक विशेष प्रकार की रीति ही है |

1) A और R दोनों सही
2) A और R दोनों गलत
3) A सही, R गलत
4) A गलत, R सही

---

**निम्नांकित में से किस ग्रन्थ में सभी काव्यांगों का विवेचन (सर्वांग विवेचन) किया गया है ?**

1) रसविलास
2) ललितललाम
3) शिवराजभूषण
4) कविकुलकल्पतरु

---

**' आगे के सुकवि रीझिहैं तो कविताई, न तो राधिका कन्हाई सुमिरन को बहानो है |' इन काव्य - पंक्तियों के रचयिता हैं -**

1) घनानन्द
2) बिहारी
3) देव
4) भिखारीदास

---

**निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रंथ मतिराम द्वारा नहीं रचा गया है ?**

1) रसराज
2) लक्षण शृंगार
3) रसरहस्य
4) साहित्यसार

---

**"उनकी विरहताप की अत्युक्तियों में दूर की सूझ और नाजुकखयाली बहुत कुछ फारसी की शैली है |" शुक्ल जी का यह कथन किस कवि के विषय में है ?**

1) जायसी
2) बिहारी
3) सूरदास
4) घनानन्द

---

**स्थापना(A) - उनके द्वारा बड़ा भारी कार्य यह हुआ कि रसों और अलंकारों के बहुत ही सरस और ह्रदयग्राही उदाहरण अत्यंत प्रचुर परिमाण में उपस्थित हुए | तर्क(R) - क्योंकि इन रीतिग्रंथों के कर्ता भावुक, सहृदय और निपुण कवि थे |**

1) A और R दोनों सही
2) A और R दोनों गलत
3) A सही, R गलत
4) A गलत, R सही

---

**स्थापना(A) -भूषण की कविता कवि की कीर्ति सम्बन्धी एक अविचल सत्य का दृष्टान्त है | तर्क(R) - क्योंकि जिसकी रचना को जनता का ह्रदय स्वीकार करता है उस कवि की कीर्ति तब तक बराबर बनी रहती है, जब तक उसकी स्वीकृति बनी रहती है |**

1) A और R दोनों गलत
2) A सही, R गलत
3) A गलत, R सही
4) A और R दोनों सही

---

**"प्रेममार्ग का ऐसा प्रवीण और धीर पथिक तथा जबाँदानी का ऐसा दावा रखने वाला ब्रजभाषा का दूसरा कवि नहीं हुआ |" आचार्य शुक्ल का उक्त कथन किस रीतिकालीन कवि के विषय में है ?**

1) बिहारी
2) देव
3) घनानंद
4) रसलीन

---

**"इनका सा अर्थसौष्ठव और नवोन्मेष बिरले ही कवियों में मिलता है | रीतिकाल के कवियों में ये बड़े ही प्रगल्भ और प्रतिभासम्पन्न कवि थे |" शुक्ल जी का उक्त कथन किस कवि के संबंध में है ?**

1) भूषण
2) देव
3) सेनापति
4) पद्माकर

---

**"जिस कवि में कल्पना की समाहार शक्ति के साथ भाषा की समासशक्ति जितनी अधिक होगी उतना ही वह मुक्तक की रचना में सफल होगा | यह क्षमता बिहारी में पूर्ण रूप में वर्तमान थी |" यह कथन मूलत: किस विद्वान का है ?**

1) आचार्य शुक्ल का
2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का
3) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र का
4) डॉ. रामकुमार वर्मा का

---

**रीतिकाल में नीतिविषयक काव्यों की रचना इनमें से किसने नहीं की है ?**

1) वृन्द
2) गिरिधर कविराय
3) नागरीदास
4) दीनदयाल गिरि

---

**निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता रीतिमुक्त काव्य (स्वच्छंदतावादी काव्य) की मुख्य विशेषता नहीं है ?**

1) भावावेग का उच्छल प्रवाह
2) व्यक्तिपरकता
3) सब प्रकार की रूढ़ियों से मुक्ति
4) शैल्पिक चमत्कार प्रदर्शन

---

**हिन्दी काव्यशास्त्र की निम्नांकित कृतियों का सही कालानुक्रम है -**

1) रसिकप्रिया, कविकुलकल्पतरु, काव्यनिर्णय, रसरहस्य
2) रसिकप्रिया, कविकुलकल्पतरु, रस रहस्य, काव्यनिर्णय
3) रसरहस्य, काव्यनिर्णय, कविकुलकल्पतरु, रसिकप्रिया
4) कविकुलकल्पतरु, रसिकप्रिया, काव्यनिर्णय, रस रहस्य

---

**इनमें आचार्य रामचंद्र शुक्ल से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**

1) उन्होंने प्रारंभ में ब्रज भाषा और खड़ी बोली में फुटकर कविताएँ लिखी थीं |
2) आचार्य शुक्ल के प्रारम्भिक लेख और गंभीर चिंतन परक निबंध ' चिन्तामणि ' ( 2 भाग ) में संकलित हैं |
3) उनके सैद्धांतिक समीक्षा पर लिखे निबंध ' रस मीमांसा ' नामक ग्रंथ में संकलित हैं |
4) उन्होंने अँग्रेजी में लिखी एक पुस्तक का ' बुद्धचरित ' नाम से खड़ी बोली हिन्दी में पद्यानुवाद किया था |

---

**आचार्य रामचंद्र शुक्ल की समीक्षा पद्धति से सम्बंधित कौनसा कथन गलत है ?**

1) समीक्षा में रचनाकारों की विशेषताओं और उनकी अंत: प्रवृत्तियों की तरफ सर्वप्रथम आचार्य शुक्ल ने ही ध्यान आकृष्ट किया |
2) उन्होंने आलोचना का ढाँचा भारतीय रहने दिया लेकिन उसका बाह्य रूप और रचना विधान पश्चिम से लिया |
3) समीक्षा के सैद्धांतिक मानदण्ड स्थापना का ऐतिहासिक काम आचार्य शुक्ल ने किया लेकिन उन सिद्धांतों को व्यावहारिकता के धरातल पर कार्यान्वित करने का गुरुतर दायित्व उन्होंने भावी समीक्षकों को सौंप दिया |
4) हिन्दी समीक्षा को उन्होंने युगानुरूप नवीनता प्रदान की |

---

**स्थापना (Assertion) (A) : ' कालजयी समीक्षक आचार्य रामचंद्र शुक्ल 'श्रुतिमार्ग' के नहीं, 'मुनिमार्ग' के अनुयायी थे | ' तर्क (Reason) (R) : क्योंकि किसी विचार या सिद्धांत को वे गतानुगतिक रूप में स्वीकार न कर, अपने विवेक की कसौटी पर कसने के बाद ही उसे स्वीकार करते थे |**

1) A और R दोनों सही
2) A और R दोनों गलत
3) A सही, R गलत
4) A गलत, R सही

---

**आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी की समीक्षा पद्धति से सम्बंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**

1) इन्होंने शुक्ल की समीक्षा पद्धति को ही आगे बढ़ाया |
2) शुक्ल के सिद्धांतों को यथावत् स्वीकार कर छायावादी काव्य की सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा की |
3) वे साहित्य की प्रगति द्वंद्वात्मक नहीं धारावाहिक मानते थे |
4) उनके अनुसार श्रेष्ठ साहित्य की रचना युग-चेतना को अंगीकार किये बिना संभव नहीं है |

---

**निबंधकार आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी से सम्बंधित कौनसा कथन गलत है ?**

1) इनके निबंधों में विद्वत्ता और सरसता का मणिकांचन योग हुआ है |
2) इनके गंभीर अनुसंधान परक निबंधों में तत्त्व चिंतन की प्रधानता और विनोदमयता का अभाव है |
3) उनके निबंधों में अतीत के मूल्यों के प्रति सहज ममत्व के साथ - साथ नवीन के प्रति भी स्वाभाविक उत्साह है |
4) इन्होंने प्राचीन सांस्कृतिक - साहित्यिक संदर्भों की रोचक जानकारी के साथ नए मानव - मूल्यों को भी रूपायित किया है |

---

**नाटककार प्रसाद से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**

1) प्रसाद प्रथम नाटककार हैं, जिन्होंने अपने पात्रों को स्वतंत्र व्यक्तित्व प्रदान किया है |
2) प्रसाद के सभी पात्रों में गत्यात्मकता है, परिवर्तन की आकांक्षा है |
3) नाटकों के माध्यम से प्रसाद ने सांस्कृतिक पुनरुत्थान का स्तुत्य प्रयास किया है |
4) उन्होंने सभी नाटक रंगमंच को ध्यान में रखते हुए लिखे हैं और पूर्णत: अभिनेय हैं |

---

**प्रसाद के नाटकों और उनके पात्रों से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**
1) चाणक्य लक्ष्य - सिद्धि के लिए साधन की पवित्रता को आवश्यक मानता है |
2) ध्रुवस्वामिनी नारी अधिकार की आवाज़ बुलंद करती है |
3) काव्यात्मकता प्रसाद के नाटकों की बहुत बड़ी विशेषता है |
4) स्कंदगुप्त मातृभूमि के उद्धार के लिए अकेला युद्ध करने को तैयार है |

---

**धर्मवीर भारती के 'अंधायुग' से सम्बंधित कौनसा कथन गलत है ?**
1) यह एक गीतिनाट्य है जिसमें महाभारत युद्ध के प्रारंभ को आधार बनाया गया है |
2) इसमें समकालीन समस्याओं को रचनात्मक स्तर पर उठाया गया है |
3) इसमें युद्धजनित अर्ध-सत्यों, कुंठाओं, अंधी स्वार्थपरता और विवेकशून्यता के बीच आस्था, दायित्व और ज्योति का भी उद्घाटन किया गया है |
4) इसमें ईश्वर की भी मृत्यु हो जाती है और उसका स्थान व्यक्ति का उत्तरदायित्व ले लेता है |

---

निम्नलिखित नाट्यकृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

| I-नाटक | II-रचनाकार |
|---|---|
| (A) एक और द्रोणाचार्य | (i) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना |
| (B) देवयानी | (ii) मृदुला गर्ग |
| (C) आठवाँसर्ग | (iii) शंकर शेष |
| (D) बकरी | (iv) सुरेन्द्र वर्मा |
| | (v) रमेश बक्षी |

1) A-iii, B-ii, C-iv, D-i
2) A-ii, B-iv, C-v, D-iii
3) A-iii, B-v, C-iv, D-i
4) A-iv, B-iii, C-ii, D-v

---

**भारतेन्दुकालीन साहित्य और उनकी प्रवृत्तियों से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**
1) रीतिकाल की तुलना में इस काल के साहित्य में विषय - चयन में व्यापकता एवं विविधता आई |
2) इस काल में मातृ - भूमि प्रेम, स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग तथा शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया |
3) बाल-विवाह, भ्रूण हत्या, विधवा विवाह निषेध जैसी सामाजिक कुरीतियों पर भी इस काल के लेखकों ने जम कर प्रहार किया |
4) राजभक्ति की अपेक्षा राष्ट्रभक्ति को प्राथमिकता देते हुए इस काल के साहित्यकारों ने अँगरेजी राज्य की सब प्रकार से भर्त्सना की |

---

**भारतेन्दु हरिश्चंद्र से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**
1) वे नवयुग के अग्रदूत और हिन्दी साहित्य में आधुनिकता के जन्मदाता थे |
2) उन्होंने भारतीय जीवन की समस्त बुराइयों की निन्दा कर उसे स्वस्थ एवं प्रशस्त बनाने की चेष्टा की |
3) गद्य और पद्य दोनों में ही उन्होंने खड़ी बोली हिन्दी का ही व्यवहार किया |
4)

उन्होंने देशभक्ति के साथ - साथ राजभक्ति को भी अपने काव्य का वर्ण्य-विषय बनाया |

---

**इनमें से किस कवि/साहित्यकार का संबंध भारतेन्दुकाल से नहीं है ?**

1) राधिकारमण प्रसाद सिंह
2) प्रतापनारायण मिश्र
3) अंबिकादत्त व्यास
4) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

---

**स्त्री विमर्श की दृष्टि से इनमें से किस लेखिका की गणना 'घोषित नारीवादी' लेखिका के रूप में की जाती है ?**

1) मन्नू भंडारी
2) प्रभा खेतान
3) मृदुला गर्ग
4) कृष्णा सोबती

---

निम्नलिखित नाटकों को उनके रचयिताओं के साथ सुमेलित कीजिए :

| I-नाटक | II-नाटककार |
|---|---|
| (A) नीलदेवी | (i) राधाकृष्णदास |
| (B) संयोगिता स्वयंवर | (ii) भारतेन्दु हरिश्चंद्र |
| (C) अमरसिंह राठौड़ | (iii) बालकृष्ण भट्ट |
| (D) महाराणा प्रताप | (iv) राधाचरण गोस्वामी |
| | (v) श्रीनिवास दास |

1) A-ii, B-iv, C-iii, D-i
2) A-iii, B-ii, C-iv, D-v
3) A-i, B-iii, C-v, D-iv
4) A-ii, B-iv, C-iv, D-i

---

**भारतेन्दुकालीन नाटकों की रचना के मूल उद्देश्य से सम्बंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**

1) मनोरंजन के साथ - साथ जनमानस को जाग्रत करना
2) प्राचीन संस्कृति के प्रति प्रेम जगाना
3) सत्य, न्याय, उदारता आदि मानव मूल्यों के प्रति आस्था उत्पन्न करना
4) परिनिष्ठित भाषा का विकास - विस्तार करना

---

**'चींटी से लेकर हाथी पर्यन्त पशु, भिक्षु से लेकर राजा पर्यन्त मनुष्य, बिन्दु से लेकर समुद्र पर्यन्त जल, अनंत आकाश, अनंत पृथ्वी, अनंत पर्वत - सभी पर कविता हो सकती है |' - उक्त कथन किस विद्वान का है ?**

1) महावीरप्रसाद द्विवेदी
2) हजारीप्रसाद द्विवेदी
3) रामचन्द्र शुक्ल
4) बाबू गुलाबराय

---

**भारतेन्दुकालीन पत्र - पत्रिकाओं में प्रकाशित विषय - वस्तु से सम्बंधित कौनसा कथन गलत है ?**

1) सामाजिक अंधविश्वासों, रूढ़ियों आदि पर व्यंग्यपरक रचनाएँ
2) राष्ट्रीय चेतना से संबंधित रचनाएँ

3) जीवन के मार्मिक भावव्यंजक चित्र प्रस्तुत करने वाली छोटी - छोटी कलात्मक कहानियाँ
4) जन - जागरण और सामाजिक सुधार से संबंधित रचनाएँ

---

**प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से भारतेन्दु हरिश्चंद्र की रचनाओं का सही कालक्रम किस विकल्प में है ?**
1) भारत दुर्दशा, चंद्रावली, नीलदेवी, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति |
2) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, चंद्रावली, भारत दुर्दशा, नीलदेवी |
3) नीलदेवी, चंद्रावली, भारत दुर्दशा, वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति |
4) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, भारत दुर्दशा, नीलदेवी, चंद्रावली |

---

**प्रकाशनवर्ष के अनुसार मैथिलीशरण गुप्त की रचनाओं का सही कालक्रम किस विकल्प में है ?**
1) भारत भारती, यशोधरा, साकेत, विष्णुप्रिया |
2) विष्णुप्रिया, भारत भारती, साकेत, यशोधरा |
3) भारत भारती, विष्णुप्रिया, साकेत, यशोधरा |
4) भारत भारती, साकेत, यशोधरा, विष्णुप्रिया,

---

**रामनरेश त्रिपाठी द्वारा संकलित -संपादित 'कविता कौमुदी' संग्रह से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**
1) यह संग्रह दस खंडों में विभक्त है |
2) इसमें हिन्दी और उर्दू की कविताएँ संकलित हैं |
3) बँगला और संस्कृत की कविताओं को भी इस संग्रह में सम्मिलित किया गया है |
4) इसके एक भाग में ग्रामगीतों का भी संग्रह किया गया है |

---

निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाओं को उनके संपादकों के साथ सुमेलित कीजिये :

| I-पत्र/पत्रिका | II-सम्पादक |
|---|---|
| (A) प्रजा हितैषी | (i) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' |
| (B) समालोचक | (ii) राजा लक्ष्मण सिंह |
| (C) ब्राह्मण | (iii) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' |
| (D) आनंद कादंबिनी | (iv) प्रतापनारायण मिश्र |
| | (v) बालकृष्ण भट्ट |

1) A-ii, B-iv, C-iii, D-v
2) A-iii, B-ii, C-iv, D-v
3) A-ii, B-i, C-iv, D-iii
4) A-i, B-iii, C-ii, D-iv

---

**इनमें से छायावादी काव्य से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**
1) रसस्यवाद इसका प्रमुख अंग है |
2) इसमें वेदना के आधार पर स्वानुभूति की अभिव्यक्ति को प्राथमिकता दी गई है |
3) ध्वन्यात्मकता और लाक्षणिकता भी इसका एक प्रमुख घटक है |
4) इसमें रीतिकालीन और द्विवेदी कालीन कविताओं से भिन्न प्रकार के भावों की नये ढंग से अभिव्यक्ति हुई है |

---

**इनमें से प्रयोगवादी कविता से संबंधित कौन सा कथन गलत है ?**

1) इसमें बौद्धिक स्तर पर अनुभूति की अभिव्यक्ति के लिए माध्यम की उपयोगिता स्वीकार की गई है |
2) इसमें कविता के शिल्प को विषयवस्तु से अलग माना गया है |
3) इसमें अभिव्यक्ति को अनुभूति के अनुकूल नये माध्यमों का प्रयोग करने की स्वतंत्रता है |
4) इसके अनुसार कोई भी अनुभूति अपने क्षण विशेष में उतनी ही महत्त्वपूर्ण है, जितनी कि समूचे जीवन के मुक्त-विस्तार में |

---

**'नयी कविता' से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**

1) नयी कविता विवेक और विवेचन सम्मत आधुनिक-वैज्ञानिक-दृष्टिकोण का समर्थन करती है
2) यह वर्जनाओं और कुंठाओं की अपेक्षा मुक्त-यथार्थ की पक्षधर है |
3) यह कविता यथार्थ और जीवन को एक साथ वहन करते हुए मुक्त क्षणों के दायित्व के प्रति आग्रहशील है |
4) यह आधुनिकता और समसामयिकता के संदर्भ में, 'विराटमानव' के महत्त्व को स्थापित करती है |

---

**इनमें से किस कवि की रचनाएँ तारसप्तक (प्रथम) में नहीं हैं ?**

1) प्रभाकर माचवे
2) शंकुलता माथुर
3) गिरिजाकुमार माथुर
4) नेमिचंद्र जैन

---

**इनमें से किस कवि की रचनाएँ 'तीसरा सप्तक' में हैं ?**

1) केदारनाथ सिंह
2) भारत भूषण अग्रवाल
3) हरिनारायण व्यास
4) नरेश मेहता

---

**इनमें से किस कवि की रचनाएँ 'दूसरा सप्तक' में नहीं हैं ?**

1) शमशेर बहादुर सिंह
2) रघुवीर सहाय
3) भवानी प्रसाद मिश्र
4) कुँवर नारायण

---

**इनमें से किस कवि की रचनाएँ 'चौथा सप्तक' में हैं ?**

1) विजयदेवनारायण साही
2) प्रयागनारायण त्रिपाठी
3) नन्दकिशोर आचार्य
4) कीर्ति चौधरी

---

निम्नलिखित कहानियों को कहानीकारों के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प चुनिए :

| I-कहानियाँ | II-कहानीकार |
|---|---|
| (A) पाजेब | (i) सुदर्शन |
| (B) हार की जीत | (ii) प्रेमचंद |
| (C) बूढ़ी काकी | (iii) यशपाल |
| (D) रोज | (iv) जैनेन्द्र |
| | (v) अज्ञेय |

1) A-iii, B-iv, C-i, D-v
2) A-iv, B-ii, C-v, D-iii
3) A-iv, B-i, C-ii, D-v
4) A-ii, B-iii, C-iv, D-i

---

इन कहानियों को कहानीकारों के साथ सुमेलित कीजिये :

| I-कहानियाँ | II-कहानीकार |
|---|---|
| (A) यही सच है | (i) रांगेय राघव |
| (B) राजा निरबंसिया | (ii) अमरकांत |
| (C) ज़िन्दगी और जोंक | (iii) मन्नू भंडारी |
| (D) गदल | (iv) मोहन राकेश |
| | (v) कमलेश्वर |

1) A-iii, B-i, C-ii, D-iv
2) A-iii, B-v, C-ii, D-i
3) A-iv, B-ii, C-v, D-iii
4) A-i, B-iii, C-iv, D-ii

---

इन महिला कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए :

| I – कहानीकार | II कहानियाँ |
|---|---|
| (A) ममता कालिया | (i) कहानी की तलाश में |
| (B) नासिरा शर्मा | (ii) अंतिम चढ़ाई |
| (C) अलका सरावगी | (iii) उसका यौवन |
| (D) मेहरून्निसा परवेज | (iv) तीसरी हथेली |
| | (v) पत्थर गली |

1) A - iii, B - v, C - i, D - ii
2) A - ii, B - i, C - iv, D - v
3) A - v, B - iii, C - ii, D - iv
4) A - i, B - iv, C - iii, D - v

---

निम्नलिखित कृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

| I कृतियाँ | II कृतिकार |
|---|---|
| (A) चित्रलेखा | (i) हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| (B) कब तक पुकारूँ | (ii) भगवती चरण वर्मा |
| ( C) परती परिकथा | (iii) रांगेय राघव |
| (D) मानस का हंस | (iv) फणीश्वरनाथ रेणु |
| | (v) अमृतलाल नागर |

1) A - i, B - iii, C - v, D - ii
2) A - ii, B - v, C - iv, D - i
3) A - iv, B - ii, C - i, D - iii
4) A - ii, B - iii, C - iv, D - v

---

इन रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

| I - रचनाएँ | II - रचनाकार |
|---|---|
| (A) तमस | (i) श्रीलाल शुक्ल |
| (B) कुरु कुरु स्वाहा | (ii) राही मासूम रज़ा |
| (C) राग दरबारी | (iii) भीष्म साहनी |
| (D) आधा गाँव | (iv) मोहन राकेश |
| | (v) मनोहर श्याम जोशी |

1) A - iii, B - v, C - ii, D - i
2) A - iii, B - v, C - i, D - ii
3) A - iv, B - ii, C - iii, D - v
4) A - v, B - iv, C - ii, D - iii

---

**माखनलाल चतुर्वेदी कृत ' साहित्य देवता ' की गणना किस गद्य-विधा के अंतर्गत आती है?**

1) संस्मरण
2) आत्मकथा
3) निबंध (भावात्मक)
4) रेखाचित्र

---

**प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से अज्ञेय की काव्य रचनाओं का सही क्रम किस विकल्प में है ?**

1) बावरा अहेरी, इंद्रधनु रौंदे हुए ये, अरी ओ करुणा प्रभामय, आँगन के पार द्वार |
2) इंद्रधनु रौंदे हुए ये, बावरा अहेरी, आँगन के पार द्वार, अरी ओ करुणा प्रभामय |
3) आँगन के पार द्वार, बावरा अहेरी, इंद्रधनु रौंदे हुए ये, अरी ओ करुणा प्रभामय
4) बावरा अहेरी, अरी ओ करुणा प्रभामय, इंद्रधनु रौंदे हुए ये , आँगन के पार द्वार |

---

निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प चुनिए |

| I - रचनाकार | II - रचनाएँ |
|---|---|
| ( A) राजीसेठ | (i) अतिथि देवो भव |
| (B) स्वयं प्रकाश | (ii) तीसरी हथेली |
| (C) अब्दुल विस्मिल्लाह | (iii) चिन्हार |
| (D) मैत्रेयी पुष्पा | (iv) उसका यौवन |
| | (v) सूरज कब निकलेगा |

1) A - ii, B - iv, C - iii, D - i
2) A - i, B - iii, C - iv, D - v
3) A - iii, B - i, C - ii, D - iv
4) A - ii, B - v, C - i, D - iii

---

**प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से ' पंत ' की काव्यकृतियों का सही क्रम किस विकल्प में है ?**

1) ग्रंथि, गुंजन, युगांत, युगवाणी, स्वर्णधूलि
2) ग्रंथि, युगांत,गुंजन, स्वर्णधूलि, युगवाणी
3) गुंजन, ग्रंथि, युगांत, युगवाणी, स्वर्णधूलि
4) युगांत, ग्रंथि, गुंजन, युगवाणी, स्वर्णधूलि

---

**प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से महादेवी वर्मा की रचनाओं का सही कालक्रम किस विकल्प में है ?**

1) रश्मि, नीरजा, नीहार, दीपशिखा
2) नीरजा, नीहार, दीपशिखा, रश्मि
3) नीहार, रश्मि, नीरजा, दीपशिखा
4) दीपशिखा, रश्मि, नीरजा, नीहार

---

**प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से प्रसाद की इन काव्यकृतियों का सही काल-क्रम किस विकल्प में है ?**

1) लहर, कानन कुसुम, आँसू, कामायनी
2) कानन कुसुम, आँसू, लहर, कामायनी
3) आँसू, लहर, कानन कुसुम, कामायनी
4) कानन कुसुम, लहर, आँसू, कामायनी

---

निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प चुनिए :

| I - रचनाएँ | II - रचनाकार |
|---|---|
| ( A) संशय की एक रात | (i) गजानन माधव मुक्तिबोध |
| (B) चाँद का मुँह टेढ़ा है | (ii) रघुवीर सहाय |
| (C) आत्म हत्या के विरुद्ध | (iii) नरेश मेहता |
| (D) संसद से सड़क तक | (iv) अज्ञेय |
| | (v) धूमिल |

1) A - i, B - v, C - iii, D - iv
2) A - iii, B - i, C - ii, D - v
3) A - iii, B - i, C - v, D - ii

4) A - ii, B - iii, C - iv, D - i

---

निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प चुनिए :

| I - रचनाकार | II - रचनाएँ |
|---|---|
| (A) अशोक वाजपेयी | (i) अंगीरस |
| (B) ऋतुराज | (ii) एक पतंग अनंत में |
| (C) केदारनाथ अग्रवाल | (iii) बादल को घिरते देखा है |
| (D) नागार्जुन | (iv) एक कंठ विषपायी |
| | (v) फूल नहीं, रंग बोलते हैं |

1) A - iv, B - i, C - iii, D - v
2) A - ii, B - v, C - i, D - iii
3) A - iii, B - iv, C - ii, D - i
4) A - ii, B - i, C - v, D - iii

---

निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प चुनिए :

| I - रचनाकार | II - रचनाएँ |
|---|---|
| (A) नरेश मेहता | (i) बात बोलेगी |
| (B) शमशेर बहादुर | (ii) जल है जहाँ |
| (C) केदारनाथ सिंह | (iii) वन पाँखी सुनो |
| (D) नंदकिशोर आचार्य | (iv) पुल पर पानी |
| | (v) अभी, बिलकुल अभी |

1) A - iii, B - i, C - v, D - ii
2) A - ii, B - iv, C - iii, D - v
3) A - i, B - v, C - iv, D - iii
4) A - iv, B - ii, C - i, D - v

---

निम्नलिखित यात्रावृत्तांत विषयक रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

| I - यात्रावृत्त | II - रचनाकार |
|---|---|
| (A) आखिरी चट्टान तक | (i) विष्णु प्रभाकर |
| (B) अरे यायावर रहेगा याद | (ii) मोहन राकेश |
| (C) हँसते निर्झर: दहकती भट्टी | (iii) रामवृक्ष बेनीपुरी |
| (D) पैरों में पंख बाँध कर | (iv) गोपाल प्रसाद व्यास |
| | (v) अज्ञेय |

1) A - ii, B - v, C - iv, D - iii
2) A - i, B - iv, C - iii, D - ii
3) A - ii, B - v, C - i, D - iii
4) A - iii, B - ii, C - v, D - iv

निम्नलिखित उपन्यासकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

| I - उपन्यासकार | II - उपन्यास |
|---|---|
| (A) मृणाल पांडे | (i) तत्सम |
| (B) राजी सेठ | (ii) पटरंग पुराण |
| (C) सूर्यबाला | (iii) फूल का दर्द |
| (D) मैत्रेयी पुष्पा | (iv) अग्नि पंखी |
| | (v) इदन्नमम |

1) A - v, B - iii, C - ii, D - iv
2) A - ii, B - i, C - iv, D - v
3) A - iv, B - ii, C - v, D - iii
4) A - iii, B - iv, C - i, D - ii

---

निम्नलिखित आत्मकथात्मक रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

| I - रचनाएँ | II - रचनाकार |
|---|---|
| (A) जूठन | (i) डॉ. नगेन्द्र |
| (B) अपने-अपने पिंजरे | (ii) ओम प्रकाश वाल्मीकि |
| (C) अर्ध - कथा | (iii) डॉ. रामविलास शर्मा |
| (D) अपनी धरती, अपने लोग | (iv) भीष्म साहनी |
| | (v) मोहनदास नैमिषारण्य |

1) A - ii, B - v, C - iv, D - i
2) A - iii, B - iv, C - ii, D - v
3) A - iv, B - ii, C - iii, D - i
4) A - ii, B - v, C - i, D - iii

---

निम्नलिखित संस्मरणों/रेखाचित्रों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

| I - संस्मरण/रेखाचित्र | II - रचनाकार |
|---|---|
| (A) चेतना के बिम्ब | (i) कृष्णा सोबती |
| (B) स्मृति की रेखाएँ | (ii) डॉ. नगेन्द्र |
| (C) दीप जले, शंख बजे | (iii) महादेवी वर्मा |
| (D) हम हशमत | (iv) डॉ. रघुवीर |
| | (v) कन्हैयालाल मिश्र ' प्रभाकर ' |

1) A - iv, B - iii, C - ii, D - i
2) A - v, B - iv, C - i, D - iii
3) A - ii, B - iii, C - v, D - i
4) A - i, B - v, C - iii, D - ii

---

**किस साहित्यकार ने राष्ट्र ( मातृभूमि ) को ' सगुणमूर्ति सर्वेश की ' कह कर इसकी वंदना की है ?**

1) मैथिलीशरण गुप्त
2) माखनलाल चतुर्वेदी

3) रामधारी सिंह दिनकर
4) हरिऔध

---

**आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा पत्रकारिता ( सरस्वती पत्रिका ) के माध्यम से जनरुचि जाग्रत/परिष्कृत करने से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है ?**

1) विविध विषयों पर सरस कविताएँ लिखने की प्रेरणा देना |
2) परम्परा से चले आ रहे छंदों के स्थान पर सभी प्रकार के छंदों के प्रयोग को प्रोत्साहन देना |
3) विविध काव्य ( गद्य) रूपों को अपनाने का आग्रह करना
4) गद्य और पद्य की भाषा अलग - अलग रखने का अनुरोध करना |

---

निम्नलिखित उपन्यासों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

| I - उपन्यास | II - उपन्यासकार |
|---|---|
| (A) अँधेरे बंद कमरे | (i) कृष्णा सोबती |
| (B) ज़िन्दगीनामा | (ii) मोहन राकेश |
| (C) बलचनमा | (iii) धर्मवीर भारती |
| (D) सूरज का सातवाँ घोड़ा | (iv) भगवती चरण वर्मा |
| | (v) नागार्जुन |

1) A - ii, B - i, C - iii, D - v
2) A - iv, B - iii, C - i, D - ii
3) A - ii, B - i, C - v, D - iii
4) A - v, B - iv, C - ii, D - i

---

निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प चुनिए :

| I - रचनाएँ | II - रचनाकार |
|---|---|
| (A) रानी केतकी की कहानी | (i) रामप्रसाद निरंजनी |
| (B) भाषा योगवासिष्ठ | (ii) गंग कवि |
| (C) चंद छंद बरनन की महिमा | (iii) लल्लू लाल |
| (D) पद्मपुराण | (iv) इंशाअल्ला खाँ |
| | (v) दौलतराम |

1) A - iv, B - i, C - ii, D - v
2) A - iv, B - ii, C - v, D - iii
3) A - iii, B - iv, C - v, D - i
4) A - iv, B - iii, C - i, D - ii

---

निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित करते हुए सही विकल्प चुनिए :

| I - रचनाएँ | II - रचनाकार |
|---|---|
| (A) तुलसीदास | (i) मैथिलीशरण गुप्त |
| (B) वैदेही वनवास | (ii) माखनलाल चतुर्वेदी |
| (C) हिमतरंगिनी | (iii) दिनकर |
| (D) रसवंती | (iv) निराला |
| | (v) हरिऔध |

1) A - i, B - ii, C - iii, D - v
2) A - iv, B - i, C - ii, D - iii
3) A - iii, B - iv, C - v, D - ii
4) A - iv, B - v, C - ii, D - iii

---